हफ़्तावार रिसाला : 398
Weekly Booklet : 398

26 Farameen e Attar

26 फ़रामीने अ़त़्त़ार

(अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)

(सफ़हात 26)

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त़्त़ार क़ादिरी रज़वी دامت برکاتہم العالیہ

किताब पढ़ने की दुआ

दीनी किताब या इस्लामी सबक़ पढ़ने से पहले येह दुआ पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَاللّٰہُ الْکَرِیْم जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा।

(अव्वल आख़िर एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये)

اَللّٰھُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَانْشُرْ عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَاالْجَلَالِ وَالْاِكْرَام

(مستطرف، 40/1)

हफ़्तावार रिसाला मुतालआ़

اَلْحَمْدُ لِلّٰہ ! अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी रज़वी ज़ियाई دَامَتْ بَرَکَاتُہُمُ الْعَالِیَہ/ख़लीफ़ए अमीरे अहले सुन्नत अलहाज अबू उसैद उ़बैद रज़ा मदनी مَدَّ ظِلُّہُ الْعَالِی की जानिब से हर हफ़्ते एक रिसाला पढ़ने या सुनने की तरग़ीब दी जाती है। مَا شَآءَ اللّٰہ ! लाखों इस्लामी भाई और इस्लामी बहनें येह रिसाला पढ़ या सुन कर अमीरे अहले सुन्नत / ख़लीफ़ए अमीरे अहले सुन्नत की दुआ़ओं से ह़िस्सा पाते हैं। येह रिसाला Audio में दा'वते इस्लामी की वेबसाइट से फ़्री डाउनलोड किया जा सकता है। इस रिसाले को सवाब की निय्यत से ख़ुद भी पढ़ें और अपने मर्ह़ूमीन के ईसाले सवाब के लिये तक़्सीम करें।

(शो'बा : हफ़्तावार रिसाला मुतालआ़)

नाम रिसाला : **26 फ़रामीने अ़त्तार** (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)

मुअल्लिफ़ : शैख़े त़रीक़त अमीरे अहले सुन्नत बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी रज़वी دَامَتْ بَرَکَاتُہُمُ الْعَالِیَہ

सिने त़बाअ़त : रमज़ान 1446 सि.हि., मार्च 2025 ई.

ता'दाद : 0000

नाशिर : मक्तबतुल मदीना

इल्तिजा

किसी और को येह रिसाला छापने की इजाज़त नहीं है।

किताब की त़बाअ़त में नुमायां ख़राबी हो या सफ़ह़ात कम हों या बाइन्डिंग में आगे पीछे हो गए हों तो मक्तबतुल मदीना से रुजूअ़ कीजिये।

पहले इसे पढ़ें
Read this first

दुआए ख़लीफ़ए अमीरे अहले सुन्नत : या अल्लाह पाक! जो कोई 26 सफ़्हात का रिसाला : **"26 फ़रामीने अ़त्तार** (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)" पढ़ या सुन ले उसे अमीरे अहले सुन्नत का मन्ज़ूरे नज़र और पसन्दीदा बना और उसे ख़ूब नेकी की दा'वत आ़म करने की तौफ़ीक़ अ़ता फ़रमा और उस से हमेशा हमेशा के लिये राज़ी हो जा। اٰمِین بِجاہِ خَاتَمِ النَّبِیّٖن صلّی اللہُ علیہ واٰلہٖ وسلّم

सब से ज़ियादा हूरें किस के लिये ? (दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत)

Who will receive the most Heavenly Maidens?
(Virtue of sending Ṣalāt upon the Prophet)

फ़रमाने आख़िरी नबी صَلَّی اللہُ عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم **:** "जन्नत में सब से ज़ियादा हूरें उस शख़्स को मिलेंगी जो मुझ पर सब से ज़ियादा दुरूद पढ़ने वाला होगा।" (اَفْضَلُ الصَّلَوات لِلنَّبہانی، ص25)

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ❀❀❀ صَلَّی اللّٰہُ علٰی مُحَمَّد

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी دَامَتْ بَرَکَاتُہُمُ الْعَالِیَہ बड़ी इ़ल्मी और रूह़ानी शख़्सिय्यत हैं। आप की विलादत (Birth) 26 रमज़ानुल मुबारक 1369 हिजरी मुत़ाबिक़ 8 जुलाई 1950 ई. को हुई, आप की ज़ात यादगारे अस्लाफ़ है (या'नी आप की बातों और किरदार से बुज़ुर्गाने दीन رَحْمَۃُ اللہِ عَلَیْہِم की ख़ुश्बू आती है) इसी वज्ह से आप के इर्शादात हमारे लिये मश्अ़ले राह (या'नी ज़िन्दगी गुज़ारने के बेहतरीन उसूल) हैं।

अल मदीनतुल इ़ल्मिय्या के शो'बे "हफ़्तावार रिसाला मुत़ालआ़" की जानिब से पिछले साल (या'नी 2024 में) "**अमीरे अहले सुन्नत की**

786 नसीह़तें'' नामी किताब मन्ज़रे आ़म पर आई और अब इस साल (या'नी 2025 में) अमीरे अहले सुन्नत की विलादत 26 रमज़ान शरीफ़ के मौक़अ़ पर एक और रिसाला बनाम **''26 फ़रामीने अ़त्तार (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)''** पेश किया गया जो आप के हाथों में है। اَلْحَمْدُ لِلّٰه ! इस रिसाले में अमीरे अहले सुन्नत के हाथ की लिखी हुई तह़रीर के साथ साथ कम्पोज़िंग और उसी फ़रमान की इंग्लिश ट्रान्सलेशन भी मौजूद है ताकि अंग्रेज़ी पढ़ने वाले भी इस्तिफ़ादा (या'नी फ़ाएदा ह़ासिल) कर सकें।

इस रिसाले को नेकी की दा'वत आ़म करने की अच्छी अच्छी निय्यत के साथ आ़म कीजिये और ढेरों सवाब कमाइये । **अल्लाह** करीम हमें अमीरे अहले सुन्नत की दीनी सोच के मुत़ाबिक़ इख़्लास के साथ दीन की ख़िदमत करने, नेकी की दा'वत देने और बुराई से मन्अ़ करने की तौफ़ीक़ अ़त़ा फ़रमाए।

इस साल (या'नी 26 रमज़ान शरीफ़ 1446 हिजरी) में अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه की उ़म्र हिजरी साल के मुत़ाबिक़ 77 साल हो जाएगी, **अल्लाह** पाक की बारगाह में दुआ़ है कि **अल्लाह** करीम अमीरे अहले सुन्नत को सिह़्ह़तो आ़फ़ियत के साथ दराज़िये उ़म्र बिलख़ैर अ़त़ा फ़रमाए, आप के तमाम रूह़ानी जिस्मानी अमराज़ पर रह़मत की नज़र करे और **अल्लाह** करीम आप के साए को हमारे सरों पर ख़ैरो आ़फ़ियत के साथ सलामत रखे। اٰمِین بِجاہِ خَاتَمِ النَّبِیّٖن صلّی اللہُ علیہِ واٰلہٖ وسلّم

त़ालिबे ग़मे मदीना व बक़ीअ़ व बे ह़िसाब मग़्फ़िरत

अबू मुह़म्मद त़ाहिर अ़त्तारी मदनी عفی عنہ

शो'बा हफ़्तावार रिसाला मुत़ालआ़

सब से ज़ियादा महब्बत

The most Love

"الحمد للہ مجھے کائنات کی ہر شے سے بڑھ کر
"آخری نبی صلی اللہ علیہ والہ وسلم" سے پیار ہے۔
ان شاء اللہ الکریم میرا بیڑا پار ہے۔"

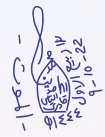

"اَلْحَمْدُ لِلّٰه मुझे काएनात की हर शै से बढ़ कर "आख़िरी नबी صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم" से प्यार है। اِن شاءَ اللّٰه الکریم मेरा बेड़ा पार है।"

"اَلْحَمْدُ لِلّٰه Out of all things in the universe, I love the final Prophet صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم most. اِنْ شَآءَ اللّٰه I will succeed."

मुख़्लिस कौन ?

Who is Sincere?

"مخلص وہ ہے جو اپنی نیکیاں اِس طرح چھپائے
جس طرح اپنی بُرائیاں چھپاتا ہے۔"

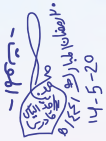

''मुख़्लिस वोह है जो अपनी नेकियां इस त़रह़ छुपाए जिस त़रह़ अपनी बुराइयां छुपाता है।''

"The sincere person is the one who conceals his good deeds just as he hides his sins."

जश्ने ईदे मीलादुन्नबी صَلَّی اللّٰہُ عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم मुबारक हो

Rejoice on the Mawlid

جشنِ وِلادت کی خوشی میں اپنے مکان پر چراغاں کرنے کے ساتھ ساتھ اپنے بدن ولباس کو سنّتوں سے اور کردار کو حُسنِ اَخلاق سے خوب روشن کیجئے۔

صلوا علی الحبیب ! صلی اللہ علی محمد

28-10-18

-الموت-

जश्ने विलादत की ख़ुशी में अपने मकान पर चरागां करने के साथ साथ अपने बदन व लिबास को सुन्नतों से और किरदार को हुस्ने अख़्लाक़ से ख़ूब रोशन कीजिये।

“Alongside lighting up your home out of happiness for the Mawlid, thoroughly illuminate your body and clothes with the Prophetic *sunan*, and your conduct with good character.”

اللّٰه

चेहरे की त़रफ़ देखे जाना

Staring at someone's Face

صلوٰۃ وسلام یا دعا یا نعت شریف سننے والے کے
چہرے کی طرف دیکھے جانا اُس کیلئے پریشانی کا
باعث ہو سکتا ہے-

9 ذیقعد ۱۴۴۰ھ
-الموت-

सलातो सलाम या दुआ़ या ना'त शरीफ़ सुनने वाले के चेहरे की त़रफ़ देखे जाना उस के लिये परेशानी का बाइ़स हो सकता है।

"Staring at the one who is listening to *ṣalāt* and *salām*, or a supplication or a Prophetic ode can become a cause of concern for him."

दौलत

Wealth

"وہ دولت کس کام کی جو راہِ جنّت میں رُکاوٹ بنے"
یا اللہ کریم! اُس مال و دولت سے بچا جو زادِ آخرت میں
کمی کا باعث اور راہِ جنت میں رُکاوٹ بنے۔

اٰمین بجاہِ خاتم النّبیّٖن صلی اللہ علیہ واٰلہٖ وسلم

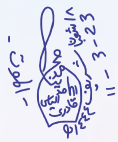

"वोह दौलत किस काम की जो राहे जन्नत में रुकावट बने"

या अल्लाह करीम ! उस मालो दौलत से बचा जो ज़ादे आख़िरत में कमी का बाइ़स और राहे जन्नत में रुकावट बने। اٰمین بِجاہِ خَاتَمِ النَّبِیّٖن صلّی اللہُ علیہِ واٰلہٖ وسلّم

"What use is that wealth which becomes an obstacle upon the path to Paradise!" O Allah Almighty, safeguard us from wealth that becomes a cause of our provisions for the Hereafter decreasing and an obstacle to Paradise. اٰمِیْن بِجَاہِ خَاتَمِ النَّبِیّٖن صَلَّی اللہُ عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم

बोलना और तोलना

Think before speaking

"پہلے تولو بعد میں بولو" کے مطابق عمل کرنے والا
دُنیا و آخرت کی بے شمار آفتوں سے بچ سکتا ہے۔

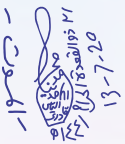

''पहले तोलो बा'द में बोलो'' के मुताबिक़ अ़मल करने वाला दुन्या व आख़िरत की बे शुमार आफ़तों से बच सकता है।

"The one who 'thinks first and speaks after' can save himself from many calamities of this world and the Hereafter."

बे ए'तिबार शख़्स

Untrustworthy Person

"جھوٹا شخص" معاشرے میں
بے اعتبار ہو جاتا ہے۔

''झूटा शख़्स'' मुआ़शरे में बे ए'तिबार हो जाता है।

"A liar loses his trustworthiness in society."

اللّٰہ

ने'मत पर शुक्र

Gratefulness upon receiving a Blessing

اللہ پاک کی ہر نعمت کا شکر ادا کرنا چاہیے، عبادت کی توفیق
ملنا بھی عظیم نعمت ہے۔ الحمد للہ ہر نماز کے بعد یاد آنے پر
اللہ پاک کا شکر ادا کرنے کی مجھے سعادت ملتی ہے۔
شکرِ نعمت کی نیّت سے الحمد للہ کہنا بھی "ادائے شکر" ہے۔

(مدنی پھول لکھنے کی سعادت ملی اِس نعمت پر بھی بطورِ ادائے شکر کہتا ہوں: الحمد للہ)

अल्लाह पाक की हर ने'मत का शुक्र अदा करना चाहिये, इबादत की तौफ़ीक़ मिलना भी अ़ज़ीम ने'मत है, اَلْحَمْدُ لِلّٰه हर नमाज़ के बा'द याद आने पर **अल्लाह** पाक का शुक्र अदा करने की मुझे सआ़दत मिलती है।

शुक्रे ने'मत की निय्यत से اَلْحَمْدُ لِلّٰه कहना भी "अदाए शुक्र" है। (मदनी फूल लिखने की सआ़दत मिली इस ने'मत पर भी बतौ़रे अदाए शुक्र कहता हूं : اَلْحَمْدُ لِلّٰه)

"We should be grateful for every bounty of Allah Almighty, and having the ability to worship is a great blessing. اَلْحَمْدُ لِلّٰه, After each prayer, when I remember, I have the honour of thanking Allah Almighty." (Saying "اَلْحَمْدُ لِلّٰه" with the intention of showing gratitude for a blessing is also an expression of gratefulness.)

(I h a d the honour of writing a pearl of wisdom, so I express gratitude for this blessing by saying اَلْحَمْدُ لِلّٰه)

एह्सास

Sense of Responsibility

”احساسِ ذِمّے داری کا فُقدان (یعنی نہ ہونا یا کم ہونا)
دین و دُنیا کے کاموں میں رُکاوٹ کا باعِث ہوتا ہے۔“

“एह्सासे ज़िम्मेदारी का फ़ुक़्दान (या’नी न होना या कम होना) दीनो दुन्या के कामों में रुकावट का बाइस होता है।”

“Not having a sense of responsibility (either completely or partially) is an obstacle in both religious and worldly works.”

اللّٰہ

सफ़र का लुत्फ़

The Pleasure of Travelling

ہوسکے تو نگاہیں نیچی رکھ کر سفر کا لطف اٹھائیں،
کاش! کسی عورت یا بے ہودہ سائن بورڈ پر
بے اختیار بھی نظر نہ پڑے۔

हो सके तो निगाहें नीची रख कर सफ़र का लुत्फ़ उठाएं, काश ! किसी औ़रत या बेहूदा साइन बोर्ड पर बे इख़्तियार भी नज़र न पड़े ।

"If possible, gain the pleasure of travelling with the gaze lowered. If only the gaze were not to fall upon a woman or an indecent billboard, even unintentionally."

इबादत पर कुव्वत

Strength for Worship

کھانا صرف لذّت کیلئے نہ کھایا جائے بلکہ کھاتے وقت
یہ نیّت کرلیجئے: "اللہ پاک کی عبادت پر قُوّت حاصل
کرنے کے لئے کھارہا ہوں۔"

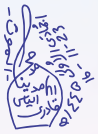

खाना सिर्फ़ लज़्ज़त के लिये न खाया जाए बल्कि खाते वक़्त येह निय्यत कर लीजिये : "**अल्लाह** पाक की इबादत पर कुव्वत हासिल करने के लिये खा रहा हूं।"

"Food should not be eaten merely for gratification, rather make this intention at the time of eating: I am eating to gain energy to worship Allah Almighty."

इन्सान की पहचान

Recognition of People

"غصّے میں انسان کے صَبر کا امتحان ہوتا ہے اور
غصّے میں انسان کی پہچان ہو جاتی ہے۔"

"गुस्से में इन्सान के सब्र का इम्तिहान होता है और
गुस्से में इन्सान की पहचान हो जाती है।"

"It is in anger that a person's patience is tested, and it is in anger that a person is recognised."

اللہ

अच्छे बच्चे

Good Children

چھوٹے بچّوں کے ذِہن میں اچّھی طرح یہ
بات بٹھادینی چاہیئے کہ "اچّھے بچّے گھر کی بات
باہَر نہیں کیا کرتے۔"

छोटे बच्चों के ज़ेह्न में अच्छी त़रह़ येह बात बिठा देनी चाहिये कि "अच्छे बच्चे घर की बात बाहर नहीं किया करते।"

"Inculcate it firmly into the minds of your children that good children do not mention household matters outside the home."

मह़ब्बत बढ़ाएं

Increase Love

’’چھوٹے سے چھوٹا فرد بلکہ بچّہ بھی کوئی بات کرے تو اُسے توجّہ سے سننے کی عادت بنائیے، اُسے اہمیّت دیجئے۔‘‘

اِن شاءَ اللہ الکریم لوگ آپ سے مَحبّت کریں گے۔

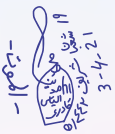

‘‘छोटे से छोटा फ़र्द बल्कि बच्चा भी कोई बात करे तो उसे तवज्जोह से सुनने की आ़दत बनाइये, उसे अहम्मिय्यत दीजिये।’’ اِن شاءَ اللہ الکریم लोग आप से मह़ब्बत करेंगे।

“If a young person or even a child is talking, give them importance. اِنْ شَآءَ اللّٰه People will show you love.”

اللّٰہ

नरमी गरमी

Benefits of Gentleness

"جو کام نرمی سے نکلتا
ہے وہ گرمی سے نہیں نکلتا۔"

''जो काम नरमी से निकलता है वोह गरमी से नहीं निकलता।''

"The result which is attained with gentleness cannot be attained with harshness."

रोज़ाना जाएज़ा

Daily Accountability

روزانہ FIX TIME پر دن بھر کے اپنے نیک و بد اعمال کا
جائزہ لیکر مزید بہتری لانے کا ذہن بناتے ہوئے
رسالہ: "نیک اعمال" کے خانے پُر کیجئے۔

रोज़ाना Fix Time पर दिन भर के अपने नेक व बद आ'माल का जाएज़ा ले कर मज़ीद बेहतरी लाने का ज़ेहन बनाते हुए रिसाला : ''नेक आ'माल'' के ख़ाने पुर कीजिये।

"With the intention of bettering yourself, at a fixed time every day, analyse the good and bad deeds you did throughout the day and fill in the *Pious Deeds* booklet."

اللہ

नेकियों के ख़ज़ाने

Treasure of good Deeds

"جس کے پاس ایمان جتنا مضبوط ہوگا اُس کے پاس
نیکیوں کے خزانے کی بھی اُتنی ہی کثرت ہوگی، لہٰذا
وہاں شیطان بہت زیادہ زور لگائے گا۔"

"जिस के पास ईमान जितना मज़बूत होगा उस के पास नेकियों के ख़ज़ाने की भी उतनी ही कसरत होगी, लिहाज़ा वहां शैतान बहुत ज़ियादा ज़ोर लगाएगा।"

"The stronger one's faith, the more good deeds he will have amassed, so Satan will try his utmost to exert influence upon him."

اللہ

शिड्यूल बनाइये

Create a Schedule

جو یہ چاہتا ہے کہ اُس کا وقت ضائع نہ ہو اُس کو چاہیئے کہ
روزمرّہ کے اپنے دینی و دُنیوی کاموں کا شیڈول بنالے۔

जो येह चाहता है कि उस का वक़्त ज़ाएअ़ न हो उस को चाहिये कि रोज़मर्रा के अपने दीनी व दुन्यवी कामों का शिड्यूल बना ले।

"The one who desires to not waste any time should make a daily schedule for his religious and worldly activities."

اللّٰہ

नफ़्सिय्यात समझिये

Understand people's Temperament

"کسی کو سمجھانے کیلئے اُس کے منصب اور
اُس کی نفسیات کو بھی پیشِ نظر رکھنا چاہئے۔"

''किसी को समझाने के लिये उस के मन्सब और उस की नफ़्सिय्यात को भी पेशे नज़र रखना चाहिये।''

"When advising someone, keep in mind their status and temperament."

اللّٰہ

अमीरे अहले सुन्नत की मस्जिदे बैत

The Ameer of Ahl al-Sunnah's Masjid al-Bayt

الحمدللہ جمعۃ الوداع (۲۴ رمضان المبارک ۱۴۴۲ھ) کو
میں نے بیت البقیع کے اپنے کمرے کے ایک حصّے کو
"مسجدِ بیت" بنایا اور اُس کا نام "فیضانِ رَمَضان"
رکھا۔ اللہ پاک قبول فرمائے اور ادب کی توفیق بخشے۔
آمین

اَلْحَمْدُ لِلّٰہ जुमुअ़तुल वदाअ़ (24 रमज़ानुल मुबारक 1442 हि.) को मैं ने बैतुल बक़ीअ़ के अपने कमरे के एक हिस्से को "मस्जिदे बैत" बनाया और उस का नाम "फ़ैज़ाने रमज़ान" रखा। **अल्लाह** पाक क़बूल फ़रमाए और अदब की तौफ़ीक़ बख़्शे। आमीन

"اَلْحَمْدُ لِلّٰہ On the farewell Friday (24 Ramadan 1442 AH), I made a part of my room in Bayt al-Baqīʿ into a masjid al-bayt, and named it 'Faizan-e-Ramadan'. May Allah Almighty accept it and allow me to honour it." اٰمِیْن

اللّٰہ

वा'दा ख़िलाफ़ी

Breaking Promises

"وعدہ خلافی نیک بندوں
کا طریقہ نہیں۔"

''वा'दा ख़िलाफ़ी नेक बन्दों का त़रीक़ा नहीं।''

"Breaking promises is not the way of the pious."

ग़ीबत

Backbiting

"غیبت کرنا اور جان بوجھ کر سننا
دونوں گناہ کے کام ہیں۔"

''ग़ीबत करना और जान बूझ कर सुनना दोनों गुनाह के काम हैं।''

"Backbiting and intentionally listening to backbiting are both sinful acts."

सलाम

Salām

”سلام محبّت کے دروازے
کی چابی (یعنی KEY) ہے۔“

“सलाम महब्बत के दरवाज़े की चाबी (या’नी KEY) है।”

“*Salām* is the key to the door of love.”

नुक़्सान न पहुंचाइये !

Do not cause Harm

"اگر (مسلمانوں کو) نفع نہیں پہنچا سکتے تو
نقصان بھی مت پہنچاؤ۔"

"अगर (मुसल्मानों को) नफ़्अ़ नहीं पहुंचा सकते तो
नुक़्सान भी मत पहुंचाओ।"

"If you cannot benefit (a Muslim) then at least do not cause harm."

اللہ

ग़मे मदीना

Yearning for Madīna

زبان کا قفلِ مدینہ جب تک لگا رہتا ہے،
غمِ مدینہ کی لذّت ملتی رہتی ہے،
بولتے چلے جانے سے وہ کیفیت باقی رہنا مشکل ہے۔
- الموت -

ज़बान का क़ुफ़्ले मदीना जब तक लगा रहता है,
ग़मे मदीना की लज़्ज़त मिलती रहती है, बोलते चले जाने
से वोह कैफ़िय्यत बाक़ी रहना मुश्किल है।

"For as long as one controls their tongue, they continue to delight in yearning for al-Madinah al-Munawwarah; it is difficult to maintain this state whilst continuously speaking."

اللّٰه

ईद किस की ?

Who is Eid for?

"عید اُس کی نہیں جس نے نئے کپڑے پہن لئے
عید تو اُس کی ہے جو عذابِ الٰہی سے ڈر گیا۔"

''ईद उस की नहीं जिस ने नए कपड़े पहन लिये,
ईद तो उस की है जो अ़ज़ाबे इलाही से डर गया।''

"Eid is not for the one who wears new clothes, Eid is for the one who became fearful of divine punishment."

अगले हफ़्ते का रिसाला